

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रवेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

श्चिमला, बुधबार, 81 मार्च, 1993/10 चैस, 1915

हिमाचल प्रवेश सरकार

निविधन विभाग

श्रधिस् चना

जिमला-171002, 31 मार्च, 1993

संख्या 7-17/91-ई 0एल 0एन 0. — जैसा कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रिशिनियम, 1968 की घारा 49 तथा हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत तथा पंचायत समिति (निर्वाचन) नियम, 1991 के नियम 50 के अन्तर्गत जिला हमीरपूर की समस्त ग्राम सभाग्रों तथा पंचायत समितियों के निर्वाचन हेतु ग्राह्वान की ग्रिधिसूचना संख्या 7-17/91-ई. एल. एन., दिनांक 9-12-1991 द्वारा जारी की गई थी ग्रीर जिसेका प्रकाशन हिमाचल प्रदेश राजपत (ग्रसाक्षारण ग्रंक) में दिनांक 9-12-1991 को किया गया है। उपरोक्त ग्रिअसूचना के ग्रन्तर्गत निर्वाचन सम्मन्तता की ग्रवधि 31 जनवरी, 1992 तक निर्धारित की गई थी;

स्रौर जैसा कि इस विभाग की स्रधिसूचना संख्या 7-17/91-ई0एल0एन0, दिनांक 31-1-1992 द्वारा यह स्रविध 30 सप्रैल, 1992 तक बढ़ाई नई थी तथा उन्त स्रविध में निर्वाचन सम्पन्न न होने के कारण समसंख्यांक अधिसूचना दिनांक 25 अष्ट्रैल, 1992 हारा निर्वाचन सम्पन्नता की अविधि दिनांक 30 जून, 1992 तक बढ़ाई गई भी और इस अविधि में भी निर्वाचन सम्पन्न न होने के कारण संमसंख्यांक अधिसूचना दिनांक 30 जून, 1992 हारा निर्वाचन सम्पन्नता की अविधि तदीपरान्त दिनांक 31 अगस्त 1992 तथा समसंख्यांक अधिसूचना दिनांक 29 अगस्त, 1992 हारा 31 अक्तूबर, 1992 तक तथा अब पुनः समसंख्यांक अधिसूचना दिनांक 31 अक्तूबर, 1992 हिरा निर्वाचन सम्पन्तता की अविधि 25 दिसम्बर, 1992 और अथोपरि अधिसूचना संदेश दिनांक 24 दिसम्बर, 1992 हारा 31 मार्च, 1993 तक बढ़ाई गई थी;

और जैसा कि यह निर्वाचन निर्धारित अविध के भीतर सम्पन्न नहीं हो सके हैं;

भतः अब भारत के राष्ट्रपति निर्वाचन सम्पन्तता की अवधि 30 सितःबर, 1993 तक बढ़ाने के सहर्ष भादेश प्रदान करते हैं।

शिमला-171002, 31 मार्च, 1993

संख्या 7-7/91-ई0एल0एन0.—जैसा कि हिमाचल प्रदेश पचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 49 तथा हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत तथा पंचायत समिति (निर्वाचन) नियम, 1991 के नियम 50 के अन्तर्गत जिला शिमला के विकास खण्ड रोहड़ू की समस्त ग्राम सभाओं तथा पंचायत समिति के सभी निर्वाचन क्षेत्रों (बार्डी) के मतदाताओं को पंच, उप-प्रधान, प्रधान व प्राथमिक सदस्य निर्वाचित करने हेतु निर्वाचन ग्राह बान ग्रिधसूचना संख्या 7-7/91-ई0एल0एन0, दिनांक 30 दिसम्बर, 1991 द्वारा जारी की गई थी, जिसका प्रकाशन हिमाचल प्रदेश राजपन्न (ग्रसाधारण प्रमंक) में दिनांक 30-12-1991 को किया गया है और जिसक अन्तर्गत निर्वाचन सम्पन्तता की अवधि 30-6-1992 तक निर्वारित की गई थी, श्रौर इस ग्रवधि में भी निर्वाचन सम्पन्त न होने के कारण समसंख्यांक ग्रिधसूचना दिनांक 30 जून, 1992 द्वारा निर्वाचन सम्पन्तता की अवधि तदोपरान्त दिनांक 31 अगस्त, 1992 तथा समसंख्यांक ग्रिधसूचना 31 अगस्त, 1992 द्वारा 31 दिसम्बर, 1992 ग्रौर यथोपरि ग्रिधसूचना दिनांक 30 दिसम्बर, 1992 द्वारा 31 दिसम्बर, 1992 ग्रौर यथोपरि ग्रिधसूचना दिनांक 30 दिसम्बर, 1992 द्वारा 31 मार्च, 1993 तक बढ़ाई गई थी;

और जैसा कि यह निर्वाचन निर्धारित ग्रविभ के भीतर सम्पन्न नहीं हुये हैं ;

म्रतः मब भारत के राष्ट्रपति निर्वाचन सम्पन्तता की भवधि 30 सितम्बर, 1993 तक बढ़ाने के भादेश सहर्ष प्रदान करते हैं।

शिमला-171002, 31 मार्च, 1993

संख्या 7-8/91-ई0 एन 0 एन 0. — जैसा कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 49 तथा हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत तथा पंचायत समिति (निर्वाचन) नियम, 1991 के नियम 50 के ग्रन्तगैत जिला सोलन की समस्त ग्राम सभाग्रों व पंचायत समितियों के निर्वाचन ग्राह्मान की ग्रधिसूचना ग्रंख्या 7-8/91 ई0 एल 0 एन 0, दिनांक 9-12-1991, को जारी की गई जिसका प्रकाशन हिमाचल प्रदेश राजपत्न (ग्रसाधारण श्रक) में दिनांक 9-12-1991 को किया गया है ग्रीर जिसके ग्रन्तगैत निर्वाचन सम्पन्तता की ग्रविध 31 जनवरी, 1992 तक निर्वास्त की गई थी:

ग्रीर जैसा कि इस विभाग की ग्रधिसूचना संख्या 7-8/91-ई0 एल0 एन0, दिनांक 31 जनवरी, 1992 द्वारा निर्वाचन सम्पन्नता की ग्रविध दिनांक 30 अप्रैल, 1992 तक बढ़ाई गई थी तथा एक्त ग्रविध में जिनिचन सम्पन्नता की ग्रविध के कारण समसंख्यांक ग्रिधिसूचना दिनांक 25 ग्रप्रैल, 1992 द्वारा निर्वाचन सम्पन्नता की ग्रविध, पून: दिनांक 30 जून, 1992 तक बढ़ाई गई थी ग्रार इस ग्रविध में भी निर्वाचन सम्पन्न न होने के कारण समसंख्यांक ग्रीधसूचना दिनांक 30 जून, 1992 द्वारा निर्वाचन सम्पन्नता की ग्रविध तदोपरान्त दिनांक (31 ग्रास्त, 1992 तथा समझंख्यांक ग्रीधसूचना दिनांक 20 ग्रास्त, 1992 द्वारा 31 ग्रक्तूबर, 1992 तथा समसंख्यांक ग्रिधसूचना दिनांक 31 ग्रक्तूबर, 1992 द्वारा 31 दिसम्बर, 1992 ग्रीर यथोपरि ग्रविसूचना दिनांक 30 दिसम्बर, 1992 द्वारा 31 मार्च, 1993 तक बढ़ाई गईथी;

ग्रीर जैसा कि यह निर्वाचन ग्रविश के भीतर सम्पन्न न हो सके हैं,

ग्रतः ग्रव भारत के राष्ट्रपति उक्त निर्वाचनों की सम्पन्नता की ग्रवधि 30 सितम्बर, 1993 तक बढ़ाने के ग्रादेश सहुर्ष त्रदान करते ह ।

> हरताक्षरित/-सचिव ।